संसाधन एवं संसाधनों का वर्गीकरण

भूगोल | बी.ए. सेमेस्टर 5

कॉलेज

स्वामी विवेकानंद महिला महाविद्यालय, रूपनगढ़

व्याख्याता

प्रियंका चौधरी

विषय

भूगोल

संसाधन का परिचय

संसाधन वे सभी वस्तुएँ, पदार्थ या शक्तियाँ हैं जो मनुष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायक होती हैं। प्रकृति में अनेक तत्व मौजूद हैं, परंतु जब उनका उपयोग मनुष्य अपनी ज़रूरतों के लिए करता है, तब वे संसाधन बनते हैं।

जैसे — जल, खनिज, वन, भूमि, ऊर्जा आदि सभी संसाधन हैं।

Made with GAMMA

संसाधन की परिभाषा

प्रमुख परिभाषाएँ

ज़िमरमैन (Zimmerman): "संसाधन मनुष्य द्वारा अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उपयोग की जाने वाली सभी वस्तुएँ हैं।"

ग्लेन टी. ट्रेवार्था: "प्रकृति का वह अंश जिसका उपयोग मनुष्य अपनी ज़रूरतों के लिए कर सकता है, संसाधन कहलाता है।"

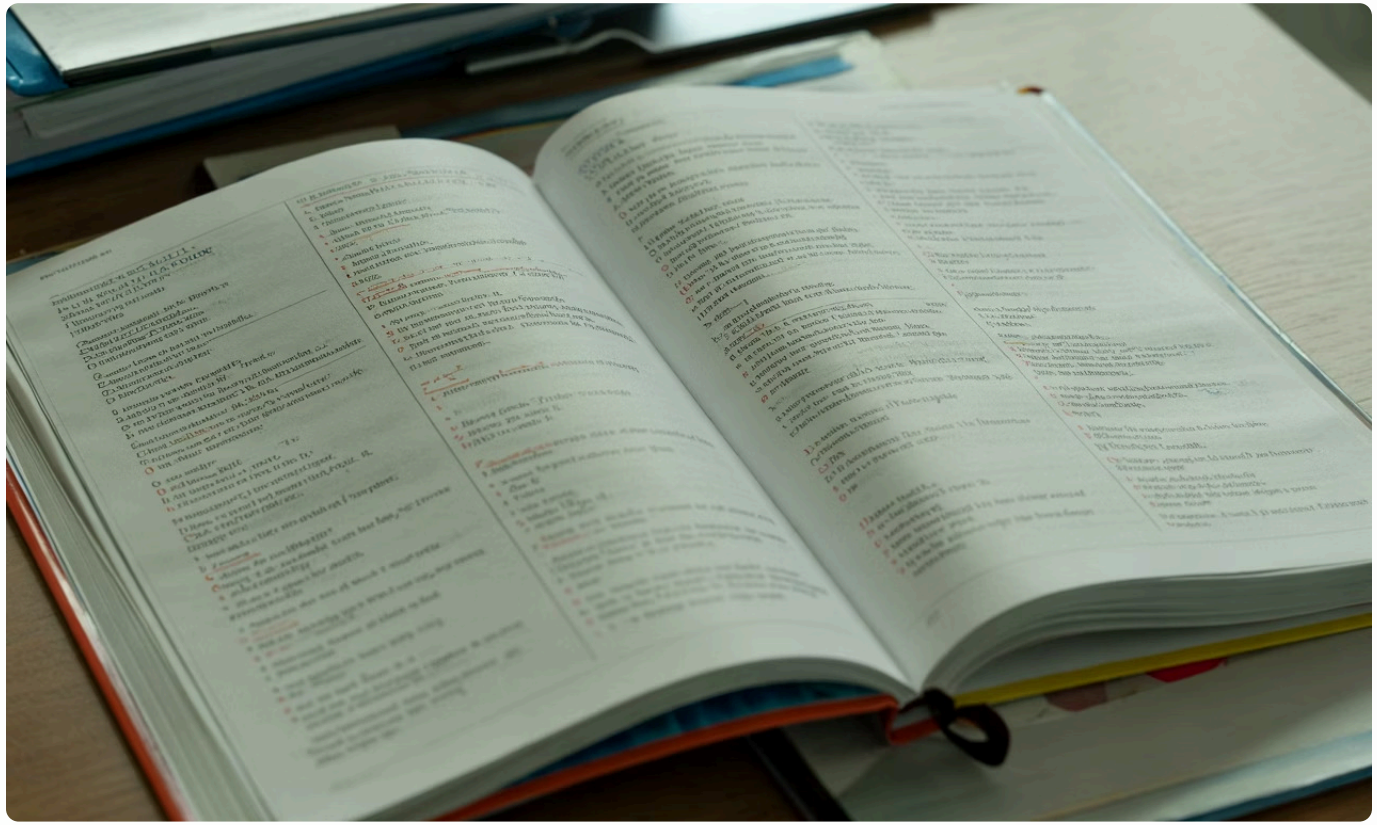

Made with GAMMA

संसाधनों की विशेषताएँ

उपयोगिता

प्रत्येक संसाधन की एक उपयोगिता होती है जो मानव जीवन को सहायक होती है।

नवीकरणीयता

कुछ संसाधन बार-बार उपयोग किए जा सकते हैं, तो कुछ सीमित हैं।

क्षेत्रीय विविधता

संसाधन हर जगह समान नहीं होते; वे स्थान के अनुसार बदलते हैं।

तकनीक पर निर्भरता

संसाधनों का विकास तकनीकी प्रगति पर निर्भर करता है।

Made with GAMMA

संसाधनों का महत्व

आर्थिक विकास

संसाधन देश की अर्थव्यवस्था की नींव हैं। उद्योग, कृषि और व्यापार सभी संसाधनों पर निर्भर हैं।

जीवन यापन

भोजन, जल, आवास और ऊर्जा — जीवन की मूलभूत ज़रूरतें संसाधनों से ही पूरी होती हैं।

रोज़गार सृजन

संसाधनों के दोहन और उपयोग से करोड़ों लोगों को रोज़गार मिलता है।

Made with GAMMA

संसाधनों का वर्गीकरण

संसाधनों को विभिन्न आधारों पर वर्गीकृत किया जाता है। यह वर्गीकरण हमें संसाधनों को बेहतर ढंग से समझने और उनके उचित उपयोग में मदद करता है।

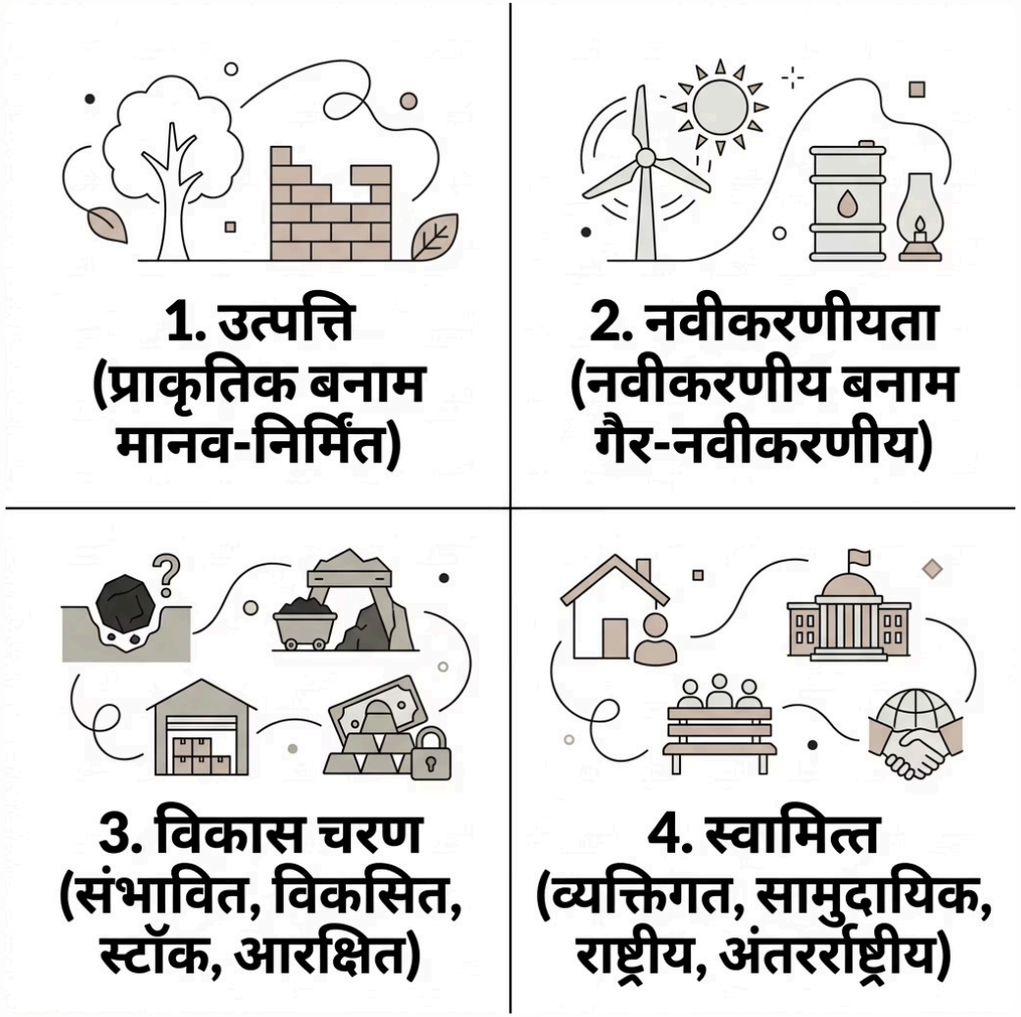

1	2
उत्पत्ति के आधार पर प्राकृतिक एवं मानव निर्मित	नवीकरणीयता के आधार पर नवीकरणीय एवं अनवीकरणीय
3	**4**
विकास के आधार पर संभावित, विकसित, भंडार, संचित	स्वामित्व के आधार पर व्यक्तिगत, सामुदायिक, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय

Made with GAMMA

उत्पत्ति के आधार पर संसाधन

🌿 प्राकृतिक संसाधन

वे संसाधन जो प्रकृति से सीधे प्राप्त होते हैं।

- जल, वायु, सूर्य-ऊर्जा
- खनिज, वन, मृदा
- जीव-जंतु, पशु-पक्षी

🏭 मानव निर्मित संसाधन

वे संसाधन जो मनुष्य द्वारा तकनीक के माध्यम से बनाए जाते हैं।

- बाँध, सड़कें, पुल
- मशीनें, औज़ार
- भवन, कारख़ाने

उदाहरण: नदी (प्राकृतिक) → बाँध (मानव निर्मित)

Made with GAMMA

नवीकरणीय एवं अनवीकरणीय संसाधन

♻️ नवीकरणीय संसाधन

वे संसाधन जो बार-बार उपयोग के बाद भी पुनः प्राप्त हो जाते हैं।

- सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा
- जल, वन
- भू-तापीय ऊर्जा

⛏️ अनवीकरणीय संसाधन

वे संसाधन जो एक बार उपयोग होने के बाद समाप्त हो जाते हैं और पुनः नहीं बनते।

- कोयला, पेट्रोलियम
- प्राकृतिक गैस
- लोहा, बॉक्साइट

भारत में कोयला और पेट्रोलियम सबसे अधिक उपयोग होने वाले अनवीकरणीय संसाधन हैं।

Made with GAMMA

विकास एवं स्वामित्व के आधार पर वर्गीकरण

विकास के आधार पर

01

संभावित संसाधन

जो मौजूद हैं पर उपयोग में नहीं — जैसे लद्दाख में सौर ऊर्जा।

02

विकसित संसाधन

जिनका सर्वेक्षण हो चुका है और उपयोग हो रहा है।

03

भंडार संसाधन

जो भविष्य में उपयोग के लिए सुरक्षित रखे गए हैं।

04

संचित कोष

जिन्हें तकनीक से भविष्य में उपयोग किया जा सके।

स्वामित्व के आधार पर

व्यक्तिगत

किसी एक व्यक्ति की — जैसे निजी खेत, घर।

सामुदायिक

समुदाय के लिए — जैसे गाँव का तालाब, चरागाह।

राष्ट्रीय

देश की — जैसे नदियाँ, वन, खनिज।

अंतर्राष्ट्रीय

विश्व के लिए — जैसे समुद्र, अंतरिक्ष।

Made with GAMMA

संसाधन संरक्षण एवं सतत विकास

संरक्षण की आवश्यकता

सीमित संसाधनों को भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना अत्यावश्यक है।

सतत विकास

वर्तमान ज़रूरतें पूरी करें बिना भविष्य को नुकसान पहुँचाए — यही सतत विकास है।

हमारी ज़िम्मेदारी

ऊर्जा बचाना, पुनर्चक्रण, वृक्षारोपण — छोटे कदम बड़ा बदलाव लाते हैं।

निष्कर्ष: संसाधन प्रकृति की देन हैं — उनका समझदारी से उपयोग ही हमारा कर्तव्य है।

Made with GAMMA